Daily Current Affairs

Date : 01 May, 2026

अनुक्रमणिका

क्र. सं.	टॉपिक का नाम
1.	रावतभाटा परमाणु ऊर्जा परियोजना (RAPP) : चित्तौड़गढ़
2.	राजस्थान फाउंडेशन के अहमदाबाद चैप्टर का शुभारंभ
3.	घग्घर नदी में कछुए की तीन प्रजातियाँ
4.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. राजस्थान का पहला 'वाटर-पॉजिटिव' एयरपोर्ट : जयपुर 2. उत्तर भारत की पहली एम.डी. न्यूट्रिशन गोल्ड मेडलिस्ट 3. अरशान खान : 'चैम्पियन ऑफ चैम्पियन' का खिताब 4. प्रदेश की पहली पार्क लाइब्रेरी 'विद्या कुंज' 5. 'श्री राजेश्वर भगवान आंजणी माता कन्या गुरुकुल संस्थान' द्वारा निर्मित कन्या महाविद्यालय
5.	स्वास्थ्य पर घरेलू सामाजिक उपभोग से संबंधित 80वें चक्र का सर्वेक्षण
6.	भारत में महिलाएँ और पुरुष 2025 शीर्षक से रिपोर्ट
7.	मिशन मौसम एवं डॉप्लर वेदर रडार
8.	पास्ट रिस्क एंड रिटर्न वेरिफिकेशन एजेंसी (PaRRVA)
9.	पंचायत उन्नति सूचकांक (Panchayat Advancement Index: PAI) 2.0
10.	WTO के पीस क्लॉज
11.	विक्रम VT 21
12.	नेवल एंटी-शिप मिसाइल-शॉर्ट रेंज (NASM-SR)
13.	प्रभावी नगर सरकार की ओर: मिलियन-प्लस शहरों के लिए एक रूपरेखा रिपोर्ट
14.	ई-प्राप्ति पोर्टल

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राजस्थान परिदृश्य

रावतभाटा परमाणु ऊर्जा परियोजना (RAPP) : चित्तौड़गढ़

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, भारत के एकमात्र परमाणु ईंधन बंडल सप्लायर 'न्यूक्लियर फ्यूल कॉम्प्लेक्स (NFC)' ने 140 यूरेनियम फ्यूल बंडल की पहली खेप रावतभाटा परमाणु ऊर्जा संयंत्र को सौंपी।

मुख्य बिन्दु:

- इसी के साथ, RAPP को प्रति वर्ष 500 टन न्यूक्लियर फ्यूल बनाने की आधिकारिक स्वीकृति मिल गई।
- 'न्यूक्लियर फ्यूल कॉम्प्लेक्स' परमाणु ऊर्जा विभाग (DAE) की एक प्रमुख औद्योगिक इकाई है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **स्थापना :** 1971 में, **मुख्यालय :** हैदराबाद (तेलंगाना)
- **एकमात्र आपूर्तिकर्ता :** NFC भारत का इकलौता संस्थान है, जो देश के सभी परमाणु ऊर्जा रिएक्टरों के लिए परमाणु ईंधन बंडल और रिएक्टर कोर घटकों की आपूर्ति करता है।

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु:

- वर्तमान में RAPP में कुल 7 परमाणु इकाइयाँ संचालित है, जबकि आठवीं इकाई निर्माणाधीन है।
- चित्तौड़गढ़ के रावतभाटा में स्थित राजस्थान परमाणु ऊर्जा परियोजना (RAPP) राज्य का एकमात्र परमाणु ऊर्जा संयंत्र है, जिसमें 7 प्रेशराइज्ड हेवी वाटर रिएक्टर (PHWR) इकाइयाँ संचालित है, जिनकी कुल स्थापित क्षमता 1780 मेगावाट (MW) है।
- **शुरुआत :** दिसम्बर, 1973 (सहयोग - कनाडा)
- **संचालन :** न्यूक्लियर पावर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (NPCIL)

इकाई	उत्पादन
प्रथम इकाई	100 MW (वर्तमान में बंद)
द्वितीय इकाई	200 MW
तृतीय इकाई	220 MW
चतुर्थ इकाई	220 MW
पंचम इकाई	220 MW
षष्ठम इकाई	220 MW
सप्तम इकाई	700 MW
अष्टम इकाई	निर्माणाधीन
कुल उत्पादन	1780 मेगावाट (MW)

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **PHWR :** प्रेशराइज्ड हेवी वाटर रिएक्टर (PHWR) एक प्रकार का परमाणु ऊर्जा रिएक्टर होता है, जो भारी जल (ड्यूटेरियम ऑक्साइड/D2O) को शीतलक और न्यूट्रॉन मॉडरेटर के रूप में उपयोग करता है और प्राकृतिक यूरेनियम का उपयोग ईंधन के रूप में करता है।
- **भारत में परमाणु ऊर्जा के उत्पादन, रख-रखाव और निगरानी हेतु नोडल एजेंसी :** न्यूक्लियर पावर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (NPCIL)

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

- **राजस्थान का दूसरा परमाणु ऊर्जा संयंत्र :** माही बाँसवाड़ा राजस्थान एटॉमिक पावर प्रोजेक्ट (MBRAPP)
- **रिएक्टर :** इस परियोजना के अंतर्गत 700 मेगावाट क्षमता के 4 परमाणु रिएक्टर (700x4) स्थापित किए जाएंगे।
- वर्ष 2033 से इस संयंत्र में बिजली उत्पादन शुरू होने की संभावना है।
- **प्रकार :** प्रेशराइज्ड हेवी वाटर रिएक्टर (PHWR)
- **कंपनी :** अणुशक्ति विद्युत निगम लिमिटेड (अश्विनी)
- यह देश में स्थापित होने वाला 9वाँ परमाणु रिएक्टर होगा।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राजस्थान फाउंडेशन के अहमदाबाद चैप्टर का शुभारंभ

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अहमदाबाद में राजस्थान फाउंडेशन के अहमदाबाद चैप्टर का औपचारिक शुभारंभ किया।

Rajasthan Foundation
Connecting Non-Resident Rajasthanis

मुख्य बिन्दु:

- **उद्देश्य :** इस चैप्टर का मुख्य उद्देश्य प्रवासी राजस्थानियों को अपनी जड़ों से जोड़ना और उन्हें राज्य की विकास यात्रा, विशेषकर कृषि और निवेश के क्षेत्र में सहभागी बनाना है।
- अहमदाबाद चैप्टर का शुभारंभ 30 अप्रैल, 2026 को अहमदाबाद में आयोजित 'ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट-2026' के रोड शो/इन्वेस्टर मीट के दौरान किया गया।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राजस्थान फाउंडेशन:

- राजस्थान फाउंडेशन का उद्देश्य भारत और विदेशों में प्रवासी राजस्थानियों के साथ जुड़ना और राज्य के विकास में उनकी भागीदारी को प्रोत्साहित करना है।
- यह प्रवासी राजस्थानियों को राज्य के सामाजिक-आर्थिक विकास में योगदान देने के लिए एक मंच प्रदान करता है।
- राजस्थान के मुख्यमंत्री इसके पदेन अध्यक्ष होते हैं।
- **गठन :** 30 मार्च, 2001 को राजस्थान सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के तहत।
- राजस्थान फाउंडेशन ने भारत में चेन्नई, कोयंबटूर, कोलकाता, सूरत, मुंबई, बेंगलुरु, अहमदाबाद, हैदराबाद, इंदौर और विदेशों में लंदन (UK), न्यूयॉर्क (USA) और काठमांडू (नेपाल) सहित 12 शहरों में शाखाएँ स्थापित की हैं।
- साथ ही, दुबई (UAE), म्यूनिख (जर्मनी), रियाद (सऊदी अरब), टोक्यो (जापान), सिंगापुर, मेलबर्न (ऑस्ट्रेलिया), नैरोबी (केन्या), कंपाला (युगांडा) और दोहा (कतर) में राजस्थान फाउंडेशन के चैप्टर खोले जाने की स्वीकृति मिल चुकी है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

घग्घर नदी में कछुए की तीन प्रजातियाँ

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, सूरतगढ़ (श्री गंगानगर) में घग्घर नदी के पारिस्थितिक तंत्र में कछुए की 3 विभिन्न प्रजातियों की उपस्थिति दर्ज की गई।

मुख्य बिन्दु:

- **3 प्रजातियाँ :** ब्लैक सॉफ्टशेल टर्टल, स्पॉटेड पॉन्ड टर्टल और इंडियन फ्लैपशेल टर्टल।
- पर्यावरण विशेषज्ञों के अनुसार रेतीले धोरों में घग्घर की प्राकृतिक झीलों और जोहड़ के दलदली क्षेत्रों में ये प्रजातियाँ तेजी से पनप रही है।

ब्लैक सॉफ्टशेल टर्टल:

- **वैज्ञानिक नाम :** निलसोनिया निग्रिकन्स।
- **पर्यावास :** असम (ब्रह्मपुत्र की सहायक नदियों) और बांग्लादेश।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **IUCN स्थिति :** वर्ष 2002 में 'वन्य जगत में विलुप्त' घोषित लेकिन वर्तमान में 'गंभीर रूप से संकटग्रस्त'।

स्पॉटेड पॉन्ड टर्टल:

- **वैज्ञानिक नाम :** जियोक्लेमिस हैमिल्टोनी।
- **पर्यावास :** सिंधु, गंगा और ब्रह्मपुत्र नदी घाटियों में।
- **IUCN स्थिति :** लुप्तप्राय।

इंडियन फ्लैपशेल टर्टल:

- **वैज्ञानिक नाम :** लिसेमिस पंक्टाटा।
- **पर्यावास :** भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, नेपाल, बांग्लादेश और म्यांमार सहित दक्षिण एशिया के विभिन्न क्षेत्रों में।
- **IUCN स्थिति :** संकटग्रस्त।

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

- धौलपुर जिले में चंबल नदी के किनारे 'राजस्थान का पहला कछुआ संरक्षण केंद्र' स्थापित किया जाएगा।
- वर्तमान में चंबल नदी में बाटागुर कछुआ, बाटागुर डोंगोका, कछुआ टेंटोरिया, हारडेला थुरगी, चित्रा इंडिका, निलसोनिया, लेसिमस पंटाटा, लेसिमस ऐंडरसनी आदि प्रजातियाँ पाई जाती हैं। इनमें से बाटागुर कछुआ, टेंटोरिया और निलसोनिया प्रजाति के कछुए विलुप्त हो रहे हैं।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

न्यूज़ इन शॉर्ट्स

क्र. सं.	न्यूज़
1.	**राजस्थान का पहला 'वाटर-पॉजिटिव' एयरपोर्ट : जयपुर** ■ ग्लोबल कंसल्टिंग फर्म 'ब्यूरो वेरिटास' ने हाल ही में जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट को 'वाटर-पॉजिटिव' एयरपोर्ट का प्रमाणन प्रदान किया। ■ सांगानेर स्थित जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट राजस्थान का पहला 'वाटर-पॉजिटिव' एयरपोर्ट बन गया है। साथ ही, यह उपलब्धि हासिल करने वाला जयपुर एयरपोर्ट उत्तर भारत का दूसरा ऐसा एयरपोर्ट है। ■ वाटर पॉजिटिव एयरपोर्ट का अर्थ है एक ऐसा हवाई अड्डा जो अपने दैनिक कार्यों में जितना पानी उपभोग करता है, उससे अधिक पानी को वर्षा जल संचयन के माध्यम से भूजल में वापस जमा करता है।
2.	**उत्तर भारत की पहली एम.डी. न्यूट्रिशन गोल्ड मेडलिस्ट** ■ जयपुर निवासी डॉ. अलका यादव उत्तर भारत की पहली एम.डी. न्यूट्रिशन एंड डायटेटिक्स (Nutrition & Dietetics) गोल्ड मेडलिस्ट बनी। ■ इससे पहले उन्होंने वर्ष 2015 में BNYS (बैचलर ऑफ नेचुरोपैथी एंड योगिक साइंसेज़) बैच में भी गोल्ड मेडल जीता था।
3.	**अरशान खान : 'चैम्पियन ऑफ चैम्पियन' का खिताब** ■ जोधपुर निवासी अरशान खान ने गुवाहाटी में आयोजित 37वीं मिस्टर सरायघाट राष्ट्रीय बॉडी बिल्डिंग प्रतियोगिता - 2026 में 'चैम्पियन ऑफ चैम्पियन' का खिताब जीता। ■ **आयोजक :** इंडियन बॉडी बिल्डर्स फेडरेशन।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

4.	**प्रदेश की पहली पार्क लाइब्रेरी 'विद्या कुंज'** ■ हाल ही में, अलवर में प्रदेश की पहली हाईटेक पार्क लाइब्रेरी 'विद्या कुंज' का उद्घाटन किया गया।
5.	**'श्री राजेश्वर भगवान आंजणी माता कन्या गुरुकुल संस्थान' द्वारा निर्मित कन्या महाविद्यालय** ■ हाल ही में, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 'श्री राजेश्वर भगवान आंजणी माता कन्या गुरुकुल संस्थान' द्वारा निर्मित कन्या महाविद्यालय का लोकार्पण किया। ■ श्री राजेश्वर भगवान आंजणी माता कन्या महाविद्यालय पाली जिले के नया चेण्डा (रोहट) में स्थित एक प्रमुख शैक्षणिक संस्थान है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राष्ट्रीय परिदृश्य

स्वास्थ्य पर घरेलू सामाजिक उपभोग से संबंधित 80वें चक्र का सर्वेक्षण

चर्चा में क्यों?

- राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (NSO) के सर्वेक्षण के अनुसार भारत की स्वास्थ्य-देखभाल सेवाओं की पहुँच और वहनीयता बेहतर हुई है।

मुख्य बिन्दु:

- हाल ही में स्वास्थ्य पर घरेलू सामाजिक उपभोग (Household Social Consumption on Health) से संबंधित 80वें चक्र का सर्वेक्षण जारी किया गया।

सर्वेक्षण के प्रमुख निष्कर्ष

- **कम 'आउट ऑफ पॉकेट व्यय (OOPE)':** सरकारी (लोक) अस्पतालों में भर्ती होने वाले आधे से अधिक मामलों में मरीजों को अपनी जेब से अब केवल लगभग 1,100 रुपये ही खर्च करना पड़ता है।
- **मातृत्व देखभाल की बेहतर सुविधा:** संस्थागत प्रसव दर ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़कर 95.6% और शहरी क्षेत्रों में 97.8% हो गई।
- **बीमारी के मामलों में परिवर्तन:** संक्रामक रोगों के कुल मामलों में गिरावट दर्ज की गई है, जबकि मधुमेह और हृदय रोग जैसे गैर-संचारी रोगों के मामले बढ़ रहे हैं।
- **स्वास्थ्य-देखभाल सेवाओं तक बेहतर पहुँच:** सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों में उपचार का औसत खर्च शून्य है।
- **सरकारी स्वास्थ्य-देखभाल सेवाओं का बढ़ता उपयोग:** एनएसओ सर्वेक्षण यह भी दर्शाता है, जहाँ 2014 में लगभग 28% ग्रामीण आबादी बाह्य रोगी (OPD) इलाज के लिए सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों में जाती थी, वहीं 2025 में यह दर बढ़कर 35% हो गई।
- **बीमा कवरेज में विस्तार:** देश में सरकारी स्वास्थ्य बीमा योजनाओं के तहत कवर होने वाली आबादी का प्रतिशत ग्रामीण क्षेत्रों में 12.9% से बढ़कर 45.5% और शहरी क्षेत्रों में 8.9% से बढ़कर 31.8% हो गया।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

भूगोल एवं भू-विज्ञान

भारत में महिलाएँ और पुरुष 2025 शीर्षक से रिपोर्ट

चर्चा में क्यों?

- केंद्रीय सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने भारत में महिलाएँ और पुरुष 2025 शीर्षक से रिपोर्ट जारी की।

मुख्य बिन्दु:

- इस रिपोर्ट में भारत में जनसंख्या, शिक्षा, स्वास्थ्य-देखभाल, रोजगार और निर्णय लेने की प्रक्रिया में महिला और पुरुषों की भागीदारी के रुझानों का विश्लेषण किया गया है।

रिपोर्ट के मुख्य अंश

जनसंख्या:

- **जन्म के समय लिंगानुपात:** यह 2017-19 के 904 से सुधरकर 2021-23 में 917 हो गया।
- अरुणाचल प्रदेश में सर्वाधिक लिंगानुपात (1085) है, जबकि झारखंड में सबसे कम (899) है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **जनसंख्या वृद्धि:** भारत में जनसंख्या की औसत वार्षिक घातीय वृद्धि एक उल्टे U-आकार का रुझान दर्शाती है, जो 1971–81 के दौरान अपने उच्चतम स्तर पर पहुँची और उसके बाद लगातार घटती गई।

स्वास्थ्य-देखभाल:

- **मातृ मृत्यु अनुपात (MMR):** 2004-06 के 254 से घटकर 2021-23 में 88 हो गया, जो व्यापक गिरावट है।
- **कुल प्रजनन दर (TFR):** 2019 से 2023 के बीच कुल प्रजनन दर घटकर शहरी क्षेत्रों में 1.5 और ग्रामीण क्षेत्रों में 2.1 हो गई।

शिक्षा:

- **साक्षरता दर:** भारत में पुरुष और महिला साक्षरता दरों में 14.4 प्रतिशत अंकों का अंतर है (पुरुष- 84.7% और महिला- 70.3%)।
- **सकल नामांकन अनुपात (GER):** स्कूली शिक्षा के सभी स्तरों पर महिला GER, पुरुष GER से अधिक है।

अर्थव्यवस्था में भागीदारी:

- **कर्मकार जनसंख्या अनुपात (15 वर्ष और उससे अधिक आयु):** 2025 में, यह पुरुषों के लिए 76.6% और महिलाओं के लिए 38.8% था।
- **महिला श्रम बल भागीदारी दर (LFPR):** ग्रामीण क्षेत्रों में यह 37.5% से बढ़कर 45.9% हो गई।

निर्णय लेने में भागीदारी:

- **मतदान प्रतिशत:** 2019 और 2024 के आम चुनावों में महिला मतदान प्रतिशत पुरुषों से अधिक रहा।
- **संसद में महिलाओं का प्रतिनिधित्व:** 2025 में 13.65% सांसद और 9.86% मंत्री महिलाएँ थीं।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

मिशन मौसम एवं डॉप्लर वेदर रडार

चर्चा में क्यों?

- भारत ने मिशन मौसम के तहत डॉप्लर वेदर रडार नेटवर्क में 250% से अधिक की वृद्धि का विस्तार किया है।

मुख्य बिन्दु:

- डॉप्लर वेदर रडार में बारिश की बूंदों और मौसम प्रणालियों की गति को मापने के लिए डॉप्लर प्रभाव का उपयोग किया जाता है।
- **डॉप्लर प्रभाव:** यह किसी तरंग की देखी गई आवृत्ति या तरंगदैर्घ्य में होने वाला परिवर्तन है, जो स्रोत और पर्यवेक्षक के बीच सापेक्ष गति के कारण होता है।

मिशन मौसम

- **शुरुआत:** 2024 में।
- **संबंधित मंत्रालय:** केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **कार्यान्वयन एजेंसी:** भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD), नेशनल सेंटर फॉर मीडियम-रेंज वेदर फोरकास्टिंग (NCMRWF), और भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान (IITM)।
- **बजट:** दो वर्षों में ₹2,000 करोड़।

लक्ष्य:

- भारत को 'वेदर रेडी' (मौसम से निपटने के लिए तैयार) और 'क्लाइमेट स्मार्ट' बनाना।
- कृषि, आपदा प्रबंधन और ग्रामीण विकास सहित कई क्षेत्रकों के लिए समय पर और सटीक अवलोकन, मॉडलिंग और पूर्वानुमान जानकारी सुनिश्चित करते हुए मौसम और जलवायु पूर्वानुमान सेवाओं में सुधार करना।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

आर्थिक घटनाक्रम

पास्ट रिस्क एंड रिटर्न वेरिफिकेशन एजेंसी (PaRRVA)

चर्चा में क्यों?

- भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (SEBI) ने पारदर्शिता और निवेशक सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए PaRRVA का संचालन शुरू किया।

मुख्य बिन्दु:

PaRRVA

- यह एक नया सत्यापन तंत्र है, जिसे विनियमित बाजार मध्यवर्तियों द्वारा किए गए पिछले प्रदर्शन के दावों की पुष्टि करने के लिए बनाया गया है।
- **यह दो-स्तरीय संरचना के माध्यम से कार्य करेगा:** 1. SEBI-पंजीकृत क्रेडिट रेटिंग एजेंसी, जो PaRRVA के रूप में कार्य करेगी और एक मान्यता प्राप्त स्टॉक एक्सचेंज, जो PaRRVA डेटा सेंटर (PDC) के रूप में काम करेगा।
- केयर रेटिंग्स लिमिटेड को PaRRVA के रूप में मान्यता दी गई है, जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया PaRRVA डेटा सेंटर (PDC) के रूप में कार्य करेगा।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

भारतीय शासन एवं राजव्यवस्था

पंचायत उन्नति सूचकांक (Panchayat Advancement Index: PAI) 2.0

चर्चा में क्यों?

- केंद्रीय पंचायती राज मंत्रालय ने पंचायत उन्नति सूचकांक 2.0 जारी किया। वर्ष 2023-24 के लिए 'पंचायत उन्नति सूचकांक 2.0' देश की 2.5 लाख से अधिक पंचायतों के प्रदर्शन पर आधारित एक 'रिपोर्ट कार्ड' है।

मुख्य बिन्दु:

पंचायत उन्नति सूचकांक (PAI)

- **प्रारंभ:** केन्द्रीय पंचायती राज मंत्रालय
- **परिचय:** यह विश्व का पहला ऐसा राष्ट्रीय ढाँचा है, जो वस्तुनिष्ठ और सत्यापन योग्य संकेतकों का उपयोग करके ग्रामीण स्थानीय संस्थाओं की प्रगति को मापता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **संकेतक:** यह सूचकांक सतत् विकास लक्ष्यों के स्थानीयकरण के ढाँचे पर आधारित है। इसमें 17 वैश्विक सतत विकास लक्ष्यों को समेकित कर पंचायती राज संस्थाओं के लिए प्रासंगिक 9 विषयगत क्षेत्रों में विभाजित किया गया है।
- **प्रदर्शन श्रेणियाँ:** PAI स्कोर और विषयगत स्कोर के आधार पर, ग्राम पंचायतों को निम्नलिखित श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है:
  - **अचीवर:** 90+
  - **फ्रंट रनर :** 75 से अधिक-90 से कम,
  - **परफॉर्मर:** 60 से अधिक-75 से कम,
  - **एस्पिरेंट:** 40 से अधिक -60 से कम,
  - **बिगिनर:** 40 से कम।
- **महत्व और मुख्य विशेषताएं:** यह सूचकांक ग्राम पंचायतों को अपनी स्थानीय जरूरतों को समझने, लक्षित योजनाएं बनाने और समय के साथ अपने कार्य की प्रगति को देखने में मदद करता है।

पंचायत उन्नति सूचकांक 2.0 के मुख्य परिणाम:

- **राज्य स्तरीय प्रदर्शन:** शीर्ष प्रदर्शन करने वाले राज्य—त्रिपुरा, केरल और ओडिशा।
- **समग्र प्रदर्शन:** किसी भी ग्राम पंचायत ने सर्वोच्च "अचीवर" (A+) श्रेणी हासिल नहीं की।
- पंचायतों की सर्वाधिक संख्या "परफॉर्मर" (B ग्रेड) श्रेणी में रही।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य

WTO के पीस क्लॉज

चर्चा में क्यों?

- भारत ने 7.6 अरब डॉलर की चावल सब्सिडी देने के लिए 7वीं बार विश्व व्यापार संगठन (WTO) के पीस क्लॉज का उपयोग किया है।

मुख्य बिन्दु:

पीस क्लॉज

- बाली (2013) में विश्व व्यापार संगठन के मंत्रिस्तरीय सम्मेलन में एक अंतरिम व्यवस्था के रूप में इस पर सहमति व्यक्त की गई थी।
- यह विकासशील देशों को खाद्य सुरक्षा के लिए सार्वजनिक भंडारण कार्यक्रमों के तहत सब्सिडी प्रदान करने की अनुमति देता है।
- यदि सब्सिडी निर्धारित सीमा से अधिक भी हो जाए, तब भी यह प्रावधान ऐसे कार्यक्रमों को WTO के विवाद निपटान तंत्र में कानूनी चुनौतियों से संरक्षण प्रदान करता है।

कृषि सब्सिडी के प्रकार (WTO वर्गीकरण):

- **ग्रीन बॉक्स:** व्यापार में विकृति न पैदा करने वाली सब्सिडी जैसे- अनुसंधान, अवसंरचना, पर्यावरण संरक्षण और खाद्य सुरक्षा सेवाएँ; इस पर सब्सिडी की कोई ऊपरी सीमा नहीं है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **एम्बर बॉक्स:** व्यापार में विकृति पैदा करने वाली सब्सिडी-जैसे MSP, मूल्य समर्थन और इनपुट सब्सिडी (उर्वरक, बिजली);
- यह उत्पादन के कुल मूल्य के 5% के भीतर और विकासशील देशों के मामले में 10% के भीतर होनी चाहिए।
- **ब्लू बॉक्स:** ये ऐसी सब्सिडी होती हैं जो उन कार्यक्रमों से जुड़ी होती हैं, जिनका उद्देश्य उत्पादन को सीमित करना होता है—जैसे उत्पादन कोटा लगाना या किसानों को कुछ भूमि को अन्य उद्देश्यों के लिए खाली छोड़ने के लिए प्रोत्साहित करना।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

विज्ञान प्रौद्योगिकी

विक्रम VT 21

चर्चा में क्यों?

- रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) ने अपने विक्रम VT 21 प्रोजेक्ट के तहत दो उन्नत बख्तरबंद प्लेटफॉर्म लॉन्च किए हैं—एक पहियों (wheeled) वाला और दूसरा ट्रैक (tracked) आधारित।

मुख्य बिन्दु:

विक्रम VT 21

- इसमें उन्नत कवच सुरक्षा दी गई है, जो कुछ प्रकार की गोलियों, विस्फोटों और छर्रों से बचाव कर सकती है, साथ ही बेहतर गतिशीलता, एकीकृत हथियार और निगरानी प्रणाली भी उपलब्ध कराती है।
- यह STANAG लेवल 4 और 5 सुरक्षा प्रदान करता है, जो NATO द्वारा निर्धारित मानक हैं। इसका अर्थ है कि यह भारी गोलीबारी, विस्फोटों और तोप के टुकड़ों से सुरक्षा देने में सक्षम है। साथ ही इसमें मॉड्यूलर ब्लास्ट और बैलिस्टिक सुरक्षा भी शामिल है।
- यह उभयचर (जल और थल दोनों पर संचालन में सक्षम) है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

नेवल एंटी-शिप मिसाइल-शॉर्ट रेंज (NASM-SR)

चर्चा में क्यों?

- DRDO और भारतीय नौसेना ने नेवल एंटी-शिप मिसाइल-शॉर्ट रेंज का सफलतापूर्वक पहला साल्वो लॉन्च किया।

मुख्य बिन्दु:

नेवल एंटी-शिप मिसाइल-शॉर्ट रेंज

- **विकासकर्ता:** भारतीय नौसेना के लिए DRDO द्वारा।
- **प्रणोदन प्रणाली:** इसमें एक ठोस प्रणोदन बूस्टर और लॉन्ग-बर्न सस्टेनर का उपयोग किया जाता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

महत्त्वपूर्ण सूचकांक एवं रिपोर्ट

प्रभावी नगर सरकार की ओर: मिलियन-प्लस शहरों के लिए एक रूपरेखा रिपोर्ट

चर्चा में क्यों?

- नीति आयोग ने 'प्रभावी नगर सरकार की ओर: मिलियन-प्लस शहरों के लिए एक रूपरेखा' शीर्षक से रिपोर्ट जारी की।

मुख्य बिन्दु:

- भारत में 10 लाख से अधिक आबादी वाले 47 शहरों में भारत की एक-तिहाई शहरी आबादी रहती है। ये शहर भारत की GDP में 60% का योगदान देते हैं।
- हालांकि, इन शहरों को अवसंरचना की कमी; सेवाओं की आपूर्ति में समस्या; आवास की कमी; परिवहन (मोबिलिटी), पर्यावरणीय संधारणीयता और सामाजिक समावेशन से जुड़ी गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

मिलियन-प्लस शहरों में शहरी शासन की चुनौतियाँ

- **कार्यों या शक्तियों का सीमित हस्तांतरण:** 74वें संविधान संशोधन अधिनियम के अनुसार नगर निकायों को 18 कार्यों को सौंपा जाना था, लेकिन इनमें से केवल 4 कार्यों को ही पूर्ण रूप से सौंपा गया है।
- **विभाजित संस्थागत ढाँचा और अप्रभावी नेतृत्व:** निर्वाचित प्रतिनिधियों और नगर निगम प्रशासन के बीच भूमिकाओं का स्पष्ट सीमांकन नहीं हो पाया है।
- महापौरों को नगर शासन का वास्तविक प्रमुख नहीं माना जाता है।

कम राजस्व और धन का सीमित हस्तांतरण:

- नगर निकायों के स्वयं के राजस्व स्रोत कम है

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- ये आबद्ध अनुदानों पर अधिक निर्भर हैं
- राज्य वित्त आयोग के गठन में देरी होती है और उसकी सिफारिशों का आंशिक तौर पर ही क्रियान्वयन हो पाता है।
- **लोक सेवा-प्रदायगी में कमियाँ:** सार्वजनिक परिवहन, शहरी योजना-निर्माण, जल और स्वच्छता जैसी प्रमुख सेवाओं में नगर सरकारों की भूमिका बहुत कम या न के बराबर बनी हुई है।
- **क्षमता की कमी:** कर्मचारियों का समय पर भर्ती नहीं होना, प्रतिनियुक्ति पर उच्च निर्भरता, अधिकारियों का बार-बार स्थानांतरण और प्रशिक्षण में सीमित निवेश अन्य समस्याएं हैं।

रिपोर्ट में की गईं सिफारिशें

- **नेतृत्व:** निश्चित कार्यकाल के साथ प्रत्यक्ष रूप से निर्वाचित महापौर और सशक्त महापौर परिषद की व्यवस्था की जानी चाहिए।
- **एकीकृत सेवा वितरण:** जल, स्वच्छता और परिवहन जैसी सेवाओं को नगर स्थानीय शासन के तहत लाने की जरूरत है ताकि बेहतर समन्वय हो सके।
- **नगर निगम के वित्तीय स्रोतों को बढ़ाना:** इसके लिए स्वयं के राजस्व स्रोत बढ़ाना, मजबूत राज्य वित्त आयोगों के माध्यम से समय पर वित्तीय हस्तांतरण सुनिश्चित करना, और नगरपालिका बॉण्ड जैसे बाजार-आधारित वित्तीय स्रोतों तक पहुँच को सक्षम बनाना आवश्यक है।
- **संस्थाओं का पुनर्गठन:** अर्ध-सरकारी एजेंसियों को शहर प्रशासन के अधीन लाकर उनकी भूमिकाएँ स्पष्ट की जाएं और बेहतर समन्वय सुनिश्चित किया जाए।
- **कानूनी और नीतिगत सुधार:** राज्य सरकारों को नगर निगम कानूनों में संशोधन करना चाहिए, और केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा मॉडल म्युनिसिपल कानून को अपडेट कर सुधारों को बढ़ावा देना चाहिए।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

ई-प्राप्ति पोर्टल

चर्चा में क्यों?

- कर्मचारी भविष्य निधि संगठन ने ई-प्राप्ति नामक एक नया पोर्टल लॉन्च किया है, जिसका उद्देश्य EPF जमा राशि के लंबे समय से लंबित मुद्दों को हल करना है, जिन पर किसी ने दावा नहीं किया है ।

मुख्य बिन्दु:

ई-प्राप्ति पोर्टल

- यह एक समर्पित डिजिटल प्लेटफॉर्म है जो पुराने EPF खातों की पहचान, ट्रैकिंग, विशिष्ट खाता संख्या (UAN) लिंकिंग और सक्रिय करने की सुविधा प्रदान करता है।
- यह आधार-आधारित प्रमाणीकरण का उपयोग करके उपयोगकर्ताओं को पुराने EPF खातों तक सुरक्षित रूप से पहुँचने की अनुमति देगा , यहाँ तक कि उन खातों तक भी जो UAN से जुड़े नहीं हैं, और उन्हें विवरण अपडेट करने, UAN को लिंक करने और खातों को सक्रिय करने में मदद करेगा।
- इसका उद्देश्य निष्क्रिय ईपीएफ खातों के प्रबंधन में पारदर्शिता और दक्षता में सुधार करते हुए कागजी कार्रवाई और मैन्युअल हस्तक्षेप को कम करना है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR